PAPER-III
PÂLI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J 8 3 1 4

Time : **2 $\frac{1}{2}$** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PĀLI
Paper – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. The total number of suffering (Dukkha) in the Dhamma cakkappavattanasutta is

(A) Five (B) Six

(C) Seven (D) Eight

2. Buddha firstly wanted to preach his dhamma to

(A) Ālāra kālāma

(B) Uddaka-rāmaputta

(C) Pañcavaggiyabhikhū

(D) Kondañña

3. 'Gacchāma mayaṁ, āvuso, Bhagavato santike, so no Bhagavā satthā'ti' this statement was made by

(A) Gavampati (B) Buddha

(C) Sāriputta (D) Moggallāna

4. Māra was defeated for the first time by the Buddha under

(A) Bodhi-rukkha

(B) Ajapāla-nigrodha

(C) Mucalinda

(D) Rājāyatana

5. The first Tevācikā upāsikā was

(A) Mother of Yasa

(B) Mahāpajāpatigotamī

(C) Khemā

(D) Paṭācārā

6. 'Sammā-ājīvo' is placed in Noble Eight-fold path at the place, that is

(A) Third (B) Fourth

(C) Fifth (D) Sixth

7. The name of the river, on the bank of which the Bodhitree was, is

(A) Gomatī (B) Gaṅgā

(C) Narmadā (D) Nirañjanā

8. 'Sabbāsava-Sutta' was preached at

(A) Sāvatthi (B) Rājagaha

(C) Kusinārā (D) Vesāli

9. The ways of destruction of Āsavas are in number mentioned in 'Sabbāsavasutta'

(A) Five (B) Six

(C) Seven (D) Eight

10. Arised cankers are destroyed by

(A) Ayonisomanasikāra

(B) Yonisomanasikāra

(C) Adhivāsanā

(D) Vinodanā

11. 'Vicikicchā' is destroyed by

(A) Bhāvanā (B) Adhivāsanā

(C) Patisevanā (D) Dassanā

12. 'Kāmavitakka' is eradicated by

(A) Vinodanā (B) Paṭisevanā

(C) Bhāvanā (D) Saṁvarā

पालि (भाषा एवं साहित्य)

प्रश्नपत्र – III

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. 'धम्मचक्कप्पवत्तन-सुत्त में दुक्ख' की कुल संख्या है

(A) पाँच (B) छह

(C) सात (D) आठ

2. बुद्ध सर्वप्रथम अपने धम्म का उपदेश इन्हें देना चाहते थे :

(A) आलार-कालाम (B) उद्दक-रामपुत्त

(C) पञ्चवग्गियभिक्खू (D) कोण्डञ्ञ

3. 'गच्छाम मयं, आवुसो, भगवतो सन्तिके, सो नो भगवा सत्था'ति'– यह कथन इनके द्वारा किया

(A) गवम्पति (B) बुद्ध

(C) सारिपुत्त (D) मोग्गल्लान

4. बुद्ध द्वारा मार प्रथमत: यहाँ पाराजित हुआ था

(A) बोधिरुक्ख

(B) अजपाल-निग्रोध

(C) मुचलिन्द

(D) राजायतन

5. प्रथम तेवाचिक-उपासिका थी

(A) यस की माता

(B) महापजापतिगोतमी

(C) खेमा

(D) पटाचारा

6. 'सम्मा-आजीवो' आर्य अष्टांजिक मार्ग के जिस स्थान पर अवस्थित है, वह है

(A) ततिय (B) चतुत्थ

(C) पञ्चम (D) छट्ठी

7. उस नदी का नाम, जिसके तीर पर बोधिवृक्ष स्थित था, है

(A) गोमती (B) गंगा

(C) नर्मदा (D) निरञ्जना

8. 'सब्बासव-सुत्त' की देशना यहाँ की गयी थी :

(A) सावत्थि (B) राजगह

(C) कुसिनारा (D) वेसालि

9. 'सब्बासवसुत्त' में उल्लिखित आसवों के क्षय करने की विधियों की संख्या है

(A) पाँच (B) छ:

(C) सात (D) आठ

10. उत्पन्न आसवों का प्रहाण इसके द्वारा किया जाता है

(A) अयोनिसोमनसिकार

(B) योनिसोमनसिकार

(C) अधिवासना

(D) विनोदना

11. 'विचिकिच्छा' इससे नष्ट होती है

(A) भावना (B) अधिवासना

(C) पटिसेवना (D) दस्सना

12. 'कामवितक्क' इससे दूर किया जाता है

(A) विनोदना (B) पटिसेवना

(C) भावना (D) संवरा

13. The number of jhāna mentioned in Sāmaññaphalasutta is
(A) Three (B) Four
(C) Five (D) Six

14. The questions on the fruits of being a recluse were asked by
(A) Jīvaka
(B) Ajātasattu
(C) Pūraṇakassapa
(D) Brahmadatta

15. The concept of 'Amarāvikkhepavāda' is assumed due to a number of reasons, those are in number
(A) Four (B) Five
(C) Six (D) Seven

16. The 'Dhammasaṅgaṇi' begins with
(A) Cittakaṇḍa
(B) Mātikā
(C) Rūpakaṇḍa
(D) Nikkhepakaṇḍa

17. One which is Virati Cetasika is
(A) Karuṇā
(B) Sammā vācā
(C) Vicāro
(D) Ahirīkaṁ

18. 'Dukkhasahagataṁ Kāyaviññāṇaṁ' This consciousness belongs to
(A) Kusala-Vipāka-ahetuka-cittaṁ
(B) Akusala-vipāka-ahetuka-cittaṁ
(C) Rūpāvacara-Kusala-Vipāka-cittaṁ
(D) Arūpāvacara-kusala-vipāka-cittaṁ

19. 'Thoughtlessness' (Pamāda) is a state of
(A) Nibbāna (B) Death
(C) Illness (D) Happiness

20. 'Phusanti dhīrā nibbānaṃ, yogakkhemaṃ anuttaraṃ'
It occurs in this vagga
(A) Yamakavagga
(B) Appamādavagga
(C) Arahantavagga
(D) Cittavagga

21. The 'Atīta janma Kī kathā' of Nāgasena is described in this section of the Milindapañho
(A) Anumānapañho
(B) Meṇḍakapañho
(C) Bāhirakathā
(D) Opammakathāpañho

22. This man had led Nāgsena to the Buddhasaṁgha from his residence :
(A) Aniruddha (B) Devaputta
(C) Rohaṇa (D) Assagutta

23. Sakkāya-Ditthi is a division of
(A) Nīvaraṇa (B) Sanyojana
(C) Palibodh (D) Anusaya

24. Nāgasena first studied this text of Buddhism
(A) Abhidhamma (B) Dhammapada
(C) Mahāvaṁsa (D) Mahāvagga

25. Nāgasena attained 'Arhataship' in the presence of this person
(A) Dharmarakshita
(B) Assagutta
(C) Mahāsena
(D) Āyupāla

26. 'Pamukhā Lakkhaṇā' is the characteristic of
(A) Avijjā (B) Vedanā
(C) Samādhi (D) Saññā

27. The number of kinds of 'Vedanā' described in the milindapañho is
(A) Forty (B) Thirty six
(C) Thirty (D) Twenty

28. 'Chedanalakkhaṇā' is the characteristic of
(A) Samādhi (B) Paññā
(C) Manasikāra (D) Sīla

13. ‘सामञ्ञफलसुत्त’ में उल्लिखित ज्ञान की संख्या है
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छ:

14. सामञ्ञफल पर इसके द्वारा प्रश्न पूछे गये थे
(A) जीवक (B) अजातसत्रु
(C) पूरणकस्सप (D) ब्रह्मदत्त

15. ‘अमराविक्खेपवाद’ की अवधारणा को इन कारणों से माना जाता है, जिनकी संख्या है
(A) चार (B) पाँच
(C) छह (D) सात

16. ‘धम्मसंगणि’ इससे प्रारम्भ होती है
(A) चित्तकण्ड (B) मातिका
(C) रूपकण्ड (D) निक्खेपकण्ड

17. जो विरति चेतसिक है, वह है
(A) करूणा (B) सम्मावाचा
(C) विचारो (D) अहिरीकं

18. ‘दुक्खसहगतं कायविञ्ञाणं’ – यह चित्त इसमें समाविष्ट है :
(A) कुसल-विपाक-अहेतुक-चित्तं
(B) अकुसल-विपाक-अहेतुक-चित्तं
(C) रूपावचर-कुसल-विपाक-चित्तं
(D) अरूपावचर-कुसल-विपाक-चित्तं

19. ‘पमाद’ जिसकी स्थिति है, वह है
(A) निब्बान (B) मृत्यु
(C) रुग्णता (D) प्रसन्नता

20. ‘फुसन्ति धीरा निब्बानं,
योङाक्खेमं अनुत्तरं ।’ –
यह इस वग्ग में है
(A) यमकवग्ग (B) अप्पमादवग्ग
(C) अरहन्तवग्ग (D) चित्तवग्ग

21. नागसेन के ‘अतीत जन्म की कथा’ मिलिन्द पञ्हो के इस खण्ड में वर्णित है
(A) अनुमानपञ्हो
(B) मेण्डकपञ्हो
(C) बाहिरकथा
(D) ओपम्मकथापञ्हो

22. नागसेन को उनके घरसे बौद्ध संघ में यह व्यक्ति ले गया था –
(A) अनिरुद्ध (B) देवपुत्त
(C) रोहण (D) अस्सगुत्त

23. सक्काय दिट्ठि इसका भेद है
(A) नीवरण (B) संयोजन
(C) पलिबोध (D) अनुसय

24. नागसेन ने सबसे प्रथम बौद्ध धम्म का यह ग्रंथ पढ़ा
(A) अभिधम्म (B) धम्मपद
(C) महावंस (D) महावग्ग

25. नागसेनने इनके समीप रहकर ‘अर्हत्पद’ प्राप्त किया था
(A) धर्मरक्षित (B) अस्सगुत्त
(C) महासेन (D) आयुपाल

26. ‘प्रमुखा लक्खणा’ इस का लक्षण है
(A) अविज्जा (B) वेदना
(C) समाधि (D) सञ्ञा

27. मिलिन्द पञ्होमें वेदना के इतने प्रकार वर्णित हैं
(A) चालीस (B) छत्तीस
(C) तीस (D) बीस

28. ‘छेदन लक्खणा’ इसका लक्षण है
(A) समाधि (B) पञ्ञा
(C) मनसिकार (D) सील

29. 'Abhisaṅkhāraṇalakkhaṇā' is the characteristic of
(A) Vedanā (B) Viññāna
(C) Smṛti (D) Cētanā

30. The 'Abhidhammāvatāra' is the work of
(A) Bhadanta Revata
(B) Jyotipāla
(C) Buddhadatta
(D) Saṁghapāla

31. Buddhaghosa had learnt the Aṭṭhakathās in Srilaṅkā from
(A) Bhadanta Jyotipāla
(B) Buddhadatta
(C) Saṅghapāla Sthavira
(D) Ajaypāla

32. The total number of Chapters in the 'Samādhiniddesa' of the Visuddhimaggo, is
(A) Eleven (B) Twelve
(C) Ten (D) Thirteen

33. The 'Buddhaghosuppatti' is the work of
(A) Buddhadatta
(B) Mahāmagala Sthavira
(C) Saṅghpāla
(D) Bhadanta Jyotipāla

34. The kinds of 'Dhutaṅgas' described in the Vishuddhimaggo are
(A) Fourteen (B) Twelve
(C) Seven (D) Thirteen

35. The alternative name of the Ariyapariyesanasutta is
(A) Brahmajāla Sutta
(B) Ambaṭṭha Sutta
(C) Sammādiṭṭhi Sutta
(D) Pasarāsi Sutta

36. The terṁvisuddhimagga' stands for
(A) The path of Nibbāna
(B) The path of cleanliness
(C) The path of the circle of the birth and death
(D) The path of prosperity

37. Buddhadatta wrote Madhurattha vilāsinī Aṭṭhakathā on the bank of this river
(A) Gaṅgā (B) Kāveri
(C) Hirañyavatī (D) Neraṅjarā

38. The Parmatthadīpanī is the Aṭṭhakathā of this text
(A) Dhammasaṅgaṇi
(B) Sañyuttanikāya
(C) Kathāvatthu
(D) Dīghanikāya

39. This is the Aṭṭhakathā of the Pātimakkha
(A) Papañcasūdanī
(B) Samantapāsādikā
(C) Manorathapūraṇī
(D) Kañkhāvitaraṇī

40. The author of the Sammohavinodanī is
(A) Dhammapāla (B) Buddhadatta
(C) Buddhajīva (D) Buddhaghosa

41. The text written by Buddhadatta is this
(A) Sammohavinodani
(B) Sāratthapakāsinī
(C) Paramatthajotikā
(D) Rūpārūpapavibhāga

42. According to the Mahāvaṁsa the number of years that Ajātasattu ruled over Rājgaha (Magadha) is
(A) Thirty five (B) Thirty two
(C) Twenty five (D) Thirty

43. According to the Mahāvaṁsa, Buddhaghosa arrived in Simhala during the reign of this king
(A) Ajātaśattu (B) Bimbisāra
(C) Mahāsammata (D) Mahānāma

29. ‘अभिसङ्खरण-लक्खणा’ इस का लक्षण है
(A) वेदना (B) विञ्ञान
(C) स्मृति (D) चेतना

30. ‘अभिधम्मावतार’ इनकी रचना है
(A) भदन्त रैवत (B) ज्योतिपाल
(C) बुद्धदत्त (D) संघपाल

31. बुद्धघोस ने श्रीलंका में अट्ठकथाओं का श्रवण इनसे किया था
(A) भदन्त ज्योतिपाल (B) बुद्धदत्त
(C) संघपाल स्थविर (D) अजयपाल

32. विसुद्धिमग्गो के ‘समाधि निद्देशों’ में कुल इतने परिच्छेद हैं
(A) ग्यारह (B) बारह
(C) दस (D) तेरह

33. ‘बुद्धघोसुप्पति’ ग्रंथ इनकी रचना है
(A) बुद्धदत्त
(B) महामंगलस्थविर
(C) संघपाल
(D) भदन्त ज्योतिपाल

34. विशुद्धिमग्गमें इतने प्रकारके धुतांगों का वर्णन है –
(A) चौदह (B) बारह
(C) सात (D) तेरह

35. अरियपरियेसन-सुत्र का वैकल्पिक नाम है
(A) ब्रह्मपाल-सुत्त (B) अम्बद्ध-सुत्त
(C) सम्मादिट्ठि-सुत्त (D) पासरासि-सुत्त

36. ‘विशुद्धिमग्ग’ पद से तात्पर्य है
(A) निर्वाण का मार्ग
(B) सफाई का मार्ग
(C) संसार चक्र का मार्ग
(D) स्मृद्धि का मार्ग

37. बुद्धदत्तने-मघुरत्थविलसिनी अट्ठकथा इस नदी के किनारे पर लिखी थी
(A) गंगा (B) कावेरी
(C) हिरण्यवनी (D) नेरंजरा

38. ‘परमत्थदीपनी’ इस ग्रन्थकी अट्ठकथा है
(A) धम्मसंगणि (B) संयुक्तनिकाय
(C) केवत्थु (D) दीर्घनिकाय

39. पातिमोक्ख की यह अट्ठकथा है
(A) पपञ्चसूदनी
(B) समनीपासादिका
(C) मनोरथपूरणी
(D) कंखावितरणी

40. ‘सम्मोहविनोदनी’ अट्ठकथा के लेखक हैं
(A) धम्मपाल (B) बुद्धदत्त
(C) बुद्धजीव (D) बुद्धघोस

41. बुद्धदत्त द्वारा लिखित ग्रन्थ है
(A) सम्मोह विनोदनी
(B) सारत्थ पकासिनी
(C) परमत्थ जोति का
(D) रूपरूप विभाग

42. महावंस के अनुसार राजगृह (मगध) में अजातशत्रु का शासनकाल इतने वर्षों तक रहा
(A) पैंतीस (B) बत्तीस
(C) पच्चीस (D) तीस

43. महावंस के अनुसार बुद्धघोस सिंहलदेश में इस राजा के काल में पहुँचे थे
(A) अजातसत्रु (B) बिम्बिसार
(C) महासम्मत (D) महानाम

44. Mahāvaṁsa is also known as
(A) Mahākāvya (B) Gadyakāvya
(C) Campūkāvya (D) Khāṇḍakāvya

45. Narindagamanṁ Vaṁsam
Kittayissaṁ Suṇathame.
Pītipamojjajananaṃ Pasādeyyaṃ
Manoramaṁ.
The above verse occurs in
(A) Mahāvaṁsa
(B) Visuddhimagga
(C) Dhammapada
(D) Dīpavaṁsa

46. The earliest historical text of Śrilankā is
(A) Gandhavaṁsa (B) Mahāvaṁsa
(C) Dīpavaṁsa (D) Buddhavaṁsa

47. Pulliṅogo is an example of
(A) Sara-Sandhi
(B) Vyañjana Sandhi
(C) Niggahīta Sandhi
(D) Vyāmissaka Sandhi

48. Identify the Samāsa in the compound word, Dasabalo
(A) Dvando
(B) Kammadhārayo
(C) Avyayībhāvo
(D) Bahubbīhi

49. Identify the Smāsa (compound) in the compound word – Candasuriyā -
(A) Dvando
(B) Bahubbīhi
(C) Avyayībhāvo
(D) Tappuriso

50. The Samāsa with the emphasis on the Para Padattha happens to be
(A) Avyayībhāvo
(B) Dvando
(C) Bahubbīhi
(D) Kammadhārayo

51. The suffix in the feminine pada, KAÑÑĀ happens to be
(A) Ā (आ) (B) A (अ)
(C) I (इ) (D) Ī (ई)

52. The case-ending in the following sentence "Annena hetunā vasati" is
(A) Tatiyā (B) Paṭhamā
(C) Dutiyā (D) Pañcamī

53. The Buddha did Ossajana of Āyusaṅkhāra at
(A) Bodha gaya
(B) Cāpāla cetiya of vesālī
(C) Kusīnārā
(D) Saranath

54. The case-ending (vibhatti) related with the Sāmī Kāraka, is
(A) Chhaṭṭhī (B) Sattamī
(C) paṭhamā (D) Dutiyā

55. The case-ending in the phase 'Rudato dārakassa pabbaji' happens to be
(A) Pañcamī (B) Chhatthī
(C) Dutiyā (D) Sattamī

56. Which one of the following pairs is correctly matched ?

(A)	Digh Nikāya	–	Sabbāsava Sutta
(B)	Majjhim Nikāya	–	Brahmajāla Sutta
(C)	Khuddaka Nikāya	–	Dhammapada
(D)	Sañyūtta Nikāya	–	Urag Vagga

57. The number of rules incorporated in the Bhikkhunī Pātimokkha is
(A) 311 (B) 211
(C) 111 (D) 227

58. The author of the Paramatthajotikā is
(A) Upasena
(B) Buddhaghosa
(C) Mahānāma
(D) Buddhadatta

59. The Atthakathā of the Dhammasaṅgani is
(A) Sadhammajotikā
(B) Paramatthadīpanī
(C) Sammohavinodanī
(D) Aṭṭhasālinī

60. The Majjhima Nikāya is divided into the following number of Paṅṅāsakas
(A) Five (B) Fifty
(C) Four (D) Three

44. महावंस इस रूप में भी जाना जाता है

(A) महाकाव्य (B) गद्यकाव्य

(C) चम्पूकाव्य (D) खण्डकाव्य

45. नरिन्दागमनं वंसं कित्तोयिस्सं सुणाथ मे ।
पीतियामोज्जजननं, पसादेय्यं मनोरथं ।।
यह उक्त गाथा इस ग्रन्थ में प्राप्त है

(A) महावंस (B) विसुद्धिमग्ग

(C) धम्मपद (D) दीपवंस

46. श्रीलंका का प्राचीनतम ऐतिहासिक ग्रन्थ है

(A) गन्धवंस (B) महावंस

(C) दीपवंस (D) बुद्धवंस

47. पुल्लिङ्गो इसका उदाहरण है

(A) सरसन्धि

(B) व्यंजन सन्धि

(C) निगहीत सन्धि

(D) व्यामिस्सक सन्धि

48. दसबलो में समास है

(A) द्वन्दो (B) कम्मधारयो

(C) अव्ययीभावो (D) बहुब्बीहि

49. चन्दसुरिया में समास है

(A) द्वन्दो (B) बहुब्बीहि

(C) अव्ययीभावो (D) तप्पुरिसो

50. इस समास में परपदार्थ प्रधान होता है

(A) अव्ययीभावो (B) द्वन्दो

(C) बहुब्बीहि (D) कम्मधारयो

51. 'कञ्जा' स्त्रीलिङ्ग पद में प्रत्यय होता है

(A) आ (B) अ

(C) इ (D) ई

52. अन्नेन हेतुना वसति में विभक्ति है

(A) ततिया (B) पथमा

(C) दुतिया (D) पंचमी

53. भगवान बुद्ध ने इस स्थान पर आयुसंरवार का ओस्सजन (त्याग) किया था

(A) बोधगया

(B) वेसाली के चापाल चेतिय

(C) कुसीनारा

(D) सारनाथ

54. सामी कारक में विभत्ति होती है

(A) छट्ठी (B) सत्तमी

(C) पथमा (D) दुतिया

55. 'रुदतो दारकस्स पब्बजि' में विभत्ति है

(A) पंचमी (B) छट्ठी

(C) दुतिया (D) सत्तमी

56. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सा युग्म सही है

(A) दीघनिकाय – सब्बासव सुत्त

(B) मज्झिमनिकाय – ब्रह्मजालसुत्त

(C) खुद्दकनिकाय – धम्मपद

(D) संयुक्तनिकाय – उरगवग्ग

57. भिक्खुनी पातिमोक्ख में नियमों की संख्या है

(A) 311 (B) 211

(C) 111 (D) 227

58. परमत्थजोतिका के लेखक हैं

(A) उपसेन (B) बुद्धघोस

(C) महानाम (D) बुद्धदत्त

59. 'धम्मसङ्गणी' की अट्ठकथा है

(A) सद्धम्मजोतिका (B) परमत्थदीपनी

(C) सम्मोहविनोदनी (D) अट्ठसालिनी

60. मज्झिमनिकया इतने पण्णासकों में बंटा है

(A) पाँच (B) पचास

(C) चार (D) तीन

61. Which one of the following Pairs is not correctly matched ?
   (A) Dighā Nikāya – Majjhima-Nikāya
   (B) Mahā-Vagga – Chulla-Vagga
   (C) Jātakaṭṭha Kathā – Niddesa
   (D) Yamaka – Paṭṭhāna

62. The early name of Pāli, was
   (A) Prakrit (B) Ardhamāgadhi
   (C) Māgadhi (D) Sanskrit

63. Which text does not form part of the Suttapitaka
   (A) Dighā Nikāya
   (B) Khuddaka-Path
   (C) Jātaka
   (D) Jātaka-aṭṭhakathā

64. According to the Mahāparinibbāna-Sutta, the Buddha had delivered thirty seven Dhammas at
   (A) Cāpāla Cetiya
   (B) Kūṭāgāra-Sālā
   (C) Jetavana
   (D) Veluvana

65. The Ariya-Pariyesana Sutta was delivered at
   (A) Isipatana Migadāya
   (B) Bodha Gayā
   (C) Rammaka-BrāhmaṅAssa Assame
   (D) Anāthapindika ke Jetavana Ārāma Mein

66. Ashoka sent one of the following to SUVANṆA-BHŪMI
   (A) Mahārakkhita Thera
   (B) Rakkhita Thera
   (C) Mahādeva Thera
   (D) Soṇa and uttara (Both)

67. The Second Buddhist Council was convened due to the controversies on the Vatthu-s numbering
   (A) five (B) ten
   (C) eight (D) twenty

68. The Dassanīyānithāni as described in the Mahāperinibbāna Sutta do not include the one or ones related with
   (A) The Buddha Birth place
   (B) The Sambodhi place
   (C) The vassāvāsa place
   (D) The parinibbāna place

69. The Dhammacakkappavattan-Sutta was delivered at
   (A) Kāshi
   (B) Isipatan Migdāya
   (C) Vārānasi
   (D) Bodhgayā

70. The Paṭiccasamuppāda is the law of
   (A) Dependent origination
   (B) Sassata-vāda
   (C) Uccheda-vāda
   (D) Satkārya-vāda

71. The total number of Citta-s in the Kāmāvacara Bhūmi is
   (A) fifty-five (55) (B) fifty (50)
   (C) fifty-four (54) (D) fifty-two (52)

72. This happens to be a characteristic of the Pacceka-Buddha
   (A) He teaches Dhamma.
   (B) He does not teach Dhamma.
   (C) He does not know the teaching of Dhamma.
   (D) He ignores Dhamma.

73. According to the Jātaka Nidāna Kathā, Buddha's name in a previous birth was
   (A) Sureśa
   (B) Maheśa
   (C) Sumedha Paṇḍita
   (D) Jagannātha

74. This happens to be the Sacca (Truth) which causes extension of the Saṁsāra (the state of birth and death)
   (A) Dukkha-Samudaya Ariya-Sacca
   (B) Dukkha Ariya-sacca
   (C) Dukkha-Nirodha Ariya-Sacca
   (D) Dukkha-Nirodha Magga Ariya-Sacca

75. The number of Cetasika-s is
   (A) 52 (fifty two)
   (B) 54 (fifty four)
   (C) 89 (eighty-nine)
   (D) 121 (one hundred and twenty one)

61. निम्नलिखित युग्मों में कौन सा युग्म सही नहीं है
(A) दीघनिकाय – मज्झिम निकाय
(B) महावग्ग – चुल्लवग्ग
(C) जातकट्ठकथा – निद्देस
(D) यमक – पट्ठान

62. पालि भाषा का प्रारम्भिक नाम था
(A) प्राकृत (B) अर्धमागधी
(C) मागधी (D) संस्कृत

63. इसमें से कौन सा ग्रन्थ सुत्तपिटक का नहीं है ?
(A) दीघनिकाय (B) खुद्धकपाठ
(C) जातक (D) जातकट्ठकथा

64. महापरिनिब्बानसुत्त के अनुसार भगवान् बुद्ध ने सैंतीस धर्मो का उपदेश इस स्थान पर दिया था
(A) चापाल चेतिय (B) कूटागारसाला
(C) जेतवन (D) वेळुवन

65. अरियपरियेसन सुत्त की देसना यहाँ पर दी गई है
(A) इसिपतन मिगदाय
(B) बोधगया
(C) रम्मक ब्राह्मणस्स अस्समे
(D) अनाथपिण्डक के जेतवन

66. अशोक ने सुवर्ण भूमि में इन्हें भेजा था
(A) महारक्खित थेर
(B) रक्खित थेर
(C) महादेव थेर
(D) सोण और उत्तर थेर द्वय

67. द्वितीय संगीति कितनी वत्थु वस्तुओं के विवाद के कारण आयोजित हुई थी
(A) पाँच (B) दस
(C) आठ (D) बीस

68. महापरिनिब्बानसुत्त में वर्णित दर्शनीय स्थानों में यह सम्मलित नहीं है
(A) बुद्ध का जन्म स्थान
(B) सम्बोधि स्थान
(C) वस्सावास स्थान
(D) परिनिब्बान प्राप्ति स्थान

69. धम्मचक्कपवत्तन-सुत्त की देशना यहाँ दी गई
(A) काशी
(B) इसिपतन मिगदाय
(C) वाराणसी
(D) बोधगया

70. पटिच्चसमुप्पाद इसका सिद्धान्त है
(A) कारण पर अवलम्बित उत्पत्ति
(B) सस्सतवाद
(C) उच्छेदवाद
(D) सत्कार्यवाद

71. कामावचर भूमि के कुल चित्रों की संख्या है
(A) पचपन (55) (B) पचास (50)
(C) चौवन (54) (D) बावन (52)

72. पच्चेक बुद्ध की यह विशेषता है
(A) धम्म का उपदेश करता है ।
(B) धम्म का उपदेश नहीं करता है ।
(C) धम्म का उपदेश नहीं जानता ।
(D) वह धम्म की उपेक्षा करता है ।

73. जातकनिदान कथा में बुद्ध के पूर्वजन्म का नाम था
(A) सुरेश (B) महेश
(C) सुमेधपंडित (D) जगन्नाथ

74. इसमें संसार को बढ़ाने वाला सत्य है
(A) दुक्ख समुदय अरिय सच्च
(B) दुक्ख अरिय सच्च
(C) दुक्ख निरोध अरिय सच्च
(D) दुक्ख निरोधगामी मग्ग अरिय सच्च

75. चितसिकों की संख्या है
(A) 52 (बावन)
(B) 54 (चौवन)
(C) 89 (नवासी)
(D) 121 (एक सौ इक्कीस)

Space For Rough Work